CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-271
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, रविवार, 05 जनवरी 2025

आज का विचार

'सकारात्मकता की माटी में पनपने वाला पौधा ही एक दिन विशाल वट वृक्ष बनता है।'

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मां-बाप नहीं रहेंगे मोहताज, बच्चों ने लिया यू-टर्न तो प्रॉपर्टी होगी रिटर्न

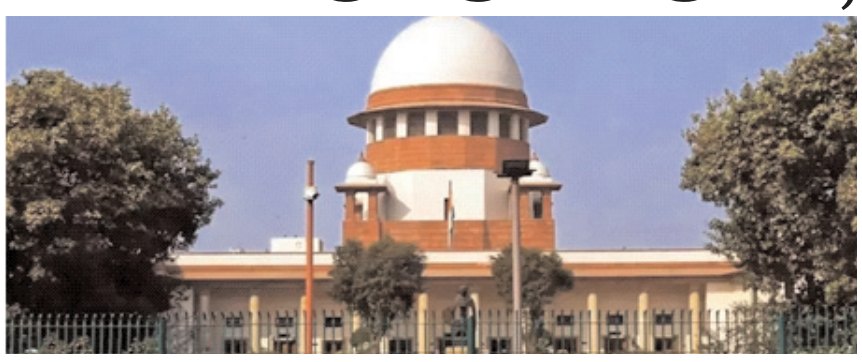

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने वाले बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है. सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर ऐतिहासिक फैसला दिया है. अब ऐसा करने वाले संतान की खैर नहीं होगी. माता-पिता से संपत्ति या फिर गिफ्ट लेने के बाद उन्हें ठुकराने वालों को अब बड़ी कीमत चुकानी होगी. ऐसे बच्चों को प्रॉपर्टी या गिफ्ट या फिर दोनों लौटाने होंगे. शीर्ष अदालत के इस फैसले से पूरी तरह स्पष्ट हो गया कि बुजुर्ग माता-पिता का भरण-पोषण हर हाल में करना होगा. उन्हें उनके हाल पर छोड़ देना काफी महंगा पड़ने वाला है. सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अपने आप में ऐतिहासिक और बेहद महत्वपूर्ण है.सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट तौर पर कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल करने में विफल रहते हैं तो माता-पिता ने उन्हें जो प्रॉपर्टी और गिफ्ट दिए हैं वो वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत रद्द किया जा सकता है.

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में बुजुर्गों के लेकर बहुत अहम फैसला सुनाया. इससे बुजुर्गों को खासा फायदा होने वाला है. इस फैसले के बाद उम्मीद बंधी है कि बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता का ख्याल रखेंगे और उनके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे.

सिपाही बनने का सपना रह गया अधूरा

चौथे सप्ताह के फिजिकल टेस्ट में 17 फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना पुलिस ने सिपाही भर्ती परीक्षा में धांधली करते 4 और फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। इनके बदले किसी और (स्कॉलर) ने लिखित परीक्षा दी थी। इस बात का खुलासा तब हुआ जब गर्दनीबाग स्थित सेंटर पर ये चारों अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट देने पहुंचे थे तभी बायोमेट्रिक अटेंडेंस में उनके फिंगर प्रिंट मैच नहीं हुए। जब पुलिस ने कड़ी पूछताछ की तो चारों ने अपना जुर्म कबूला।अब तक कुल 17 फर्जी अभ्यर्थियों को पकड़कर जेल भेजा गया है।

पकड़े गये फर्जी अभ्यर्थियों ने बताया कि उनके बदले स्कॉलर ने लिखित परीक्षा दी थी। इसके साथ ही अब तक इस मामले में चौथे सप्ताह कुल 17 फर्जी अपराधियों को पकड़ा गया है जबकि अब तक कुल 43 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। बता दें कि केंद्रीय चयन पर्षद ने बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल के 21,391 रिक्त पदों को भरने के लिए बीते दिनों लिखित परीक्षा आयोजित की थी। इस परीक्षा के लिए लगभग 17 लाख 87 हजार 720 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। जिनमें से लगभग 12 लाख उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। 7, 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त, 2024 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें 1 लाख 7 हजार 79 अभ्यर्थी परीक्षा पास किये। 14 नवंबर को लिखित परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया था।

जिसके बाद 9 दिसंबर 2024 से 10 मार्च 2025 तक फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेट की जांच गर्दनीबाग स्थित शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय में चल रही है। इसी दौरान केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने साप्ताहिक बुलेटिन जारी करते हुए बताया कि

लिखित परीक्षा पास किये 4 अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक अटेंडेंस कराया गया तब उनका फिंगर मैच नहीं हुआ। जिसके बाद 4 जनवरी को चार फर्जी कैंडिडेट को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में चारों ने बताया कि लिखित परीक्षा में वो शामिल नहीं हुए और पास हो गये। उनकी जगह स्कॉलर को बिठाया गया था।4 जनवरी को चौथे सप्ताह के शारीरिक दक्षता परीक्षा में 8 हजार अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था लेकिन 6444 अभ्यर्थी ही शामिल हो पाए। चौथे हफ्ते में कुल 17 अभ्यर्थियों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया और सभी को जेल भेजा गया।

सिपाही भर्ती परीक्षा में लगातार धांधली की बात सामने आ रही है। जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। बता दें कि सिपाही भर्ती की परीक्षा पहले 1 अक्टूबर 2023 को हुई थी लेकिन परीक्षा के 4 दिन पहले ही पेपर लीक हो गयी जिसके चलते इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया। जब आर्थिक अपराध इकाई ने मामले की जांच की तब इस बात का खुलासा हुआ कि सिपाही भर्ती पेपर लीक का सरगना नालंदा के नगरनौसा का रहने वाला संजीव मुखिया उर्फ लूटन है।

जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी में पुलिस लग गयी। वही ईओयू की इस खुलासे के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा को दोबारा आयोजित किया गया। अब इसमें में धांधली की बात सामने आ रही है। पटना पुलिस ने सिपाही भर्ती परीक्षा में धांधली करते 4 और फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। इनके बदले किसी और (स्कॉलर) ने लिखित परीक्षा दी थी।

BJP और लालू-नीतीश को लेकर पप्पू यादव ने बताई अंदर की बात

मकर संक्रांति पर बिहार में होगा बड़ा सियासी खेला

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मकर संक्रांति आते ही बिहार में सियासी खिचड़ी पकने लगती है। लालू प्रसाद द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन के साथ आने का खुला ऑफर देने के बाद से बिहार की सियासत में एक बार फिर से कयासों का बाजार गर्म है। इसी बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने दावा कर दिया है कि मकर संक्रांति के दिन बिहार में बड़ा सियासी खेला होने वाला है। दरअसल, नए साल के आगाज के साथ ही आरजेडी चीफ लालू प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन के साथ आने का ओपन ऑफर देकर बिहार की सियासत को गरमा दिया था। राजनीतिक पंडित तरह तरह की संभावना तलाशने लगे हालांकि जेडीयू और बीजेपी लगातार यह बताने की कोशिश करते रहे है एनडीए पूरी तरह से एकजुट है और लालू यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रह हैं। साल के शुरुआत के साथ जो सियासी पारा ऊपर चढ़ा वह अब भी बरकरार है।

अब पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बिहार में सियासी बदलाव को

लेकर बड़ा दावा कर दिया है। खगड़िया पहुंचे पप्पू यादव ने लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को एक दूसरे का पूरक बताया है और कहा है कि बीजेपी नीतीश कुमार को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए जाल बुन रही है। 14 जनवरी को जिस गली में चूड़ा दही जाएगा, वहीं गुड़ मीठा होगा है। लालू और नीतीश एक दूसरे के पूरक है। दोनों एक दूसरे के महत्व को अच्छी तरह से समझते हैं।

पप्पू यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी नीतीश कुमार को किसी भी कीमत पर पॉलिटकल जिंदा नहीं रहने देगी। बीजेपी अपने सहयोगियों को कभी भी आगे नहीं बढ़ने देती है। एनडीए में चिराग हों या पशुपति पारस दोनों के साथ क्या किया गया। नीतीश कुमार और लालू यादव को अच्छी तरह से पता है कि दोनों एक दूसरे की जरुरत हैं। एक दूसरे के सहारे ही चुनाव के पहले काम आएंगे फिर चुनाव के बाद जो हो जाए। मकर संक्रांति के दिन कौन किसके घर दही-चूड़ा खाने जाता है, देख लीजिएगा।

हनुमान मंदिर पटना के संस्थापक आचार्य किशोर कुणाल का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा--- जिला परिषद प्रतिनिधि राज किशोर पाण्डेय

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, जिले में नव वर्ष 2025 की मंगलमय कामनाओं के साथ पिपराही प्रखंड के बेलवा पंचायत के पूर्व मुखिया व जिला परिषद सदस्या निभा पाण्डेय के पति राजकिशोर पाण्डेय ने कहां है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं महावीर मंदिर न्याय समिति पटना के सचिव बिहार निवासी आचार्य किशोर कुणाल का निधन एक युग का अंत है।

पूर्व मुखिया राजकिशोर पाण्डेय ने कहा है कि पुलिस ऑफिसर के रूप में उनकी छवि ईमानदार और कड़क पदाधिकारी की रही है ।पटना में

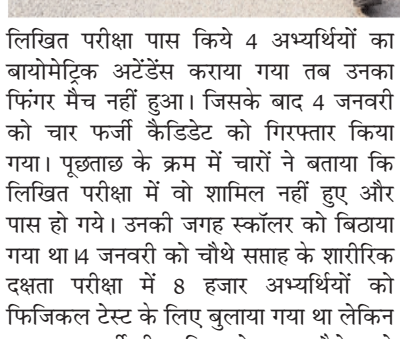

उन्होंने महावीर मंदिर का निर्माण कराया ,एक मंदिर की आमदनी से कैंसर अस्पताल सहित कई अस्पतालों का निर्माण कराया है।

श्री पाण्डेय जी ने बताया है कि बिहार धार्मिक न्यायस बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कैमूर की पहाड़ियों पर स्थित माता मुंडेश्वरी मंदिर को पुनर्स्थापित किया ।महावीर मंदिर पटना में एक पुजारी की नियुक्ति की एवं सनातन धर्म को मजबूती प्रदान की । साथ ही हनुमान मंदिर न्यास बोर्ड के द्वारा ही केसरीया में विश्व का सबसे बड़ी मंदिर का निर्माण कार्य उनके द्वारा ही कराया जा रहा है।उन्होंने गृहस्थ जीवन का पालन करते हुए संत का जीवन जिया ,उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

दरभंगा में अपराधी को पकड़ने गए पुलिसवालों पर अटैक

कुछ जख्मी, हथियार भी छीनने की कोशिश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

दरभंगा, दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाना क्षेत्र के अभंडा गांव में अपराधी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया. पुलिस पर न केवल पत्थरबाजी की गई, बल्कि उनके हथियार छीनने की भी कोशिश हुई. इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है.दरअसल, पुलिस टीम कोर्ट के आदेश पर फरार आरोपी जितेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार

करने पहुंची थी. जितेंद्र के खिलाफ वारंट और कुर्की की कार्रवाई का मामला दर्ज था. जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया तो गांव के लोग उग्र हो गए और पुलिस पर हमला कर दिया. हमले में पुलिसकर्मियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. हमलावरों ने पुलिस के हथियार छीनने का प्रयास भी किया.

प्रगति यात्रा से तेज होगी विकास की गति,

उमेश कुशवाहा बोले- जनता के प्रति हमेशा से संवेदनशील रहे हैं CM नीतीश

पटना. बिहार जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा से प्रदेश में न्याय के साथ सर्वांगीण विकास की गति और तेज होगी। कुशवाहा ने शनिवार को बयान जारी करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और उन तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की सुगमता के साथ पहुंच सुनिश्चित करना नीतीश कुमार की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के साथ ही बहन-बेटियों और महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर शानदार कार्य हो रहे हैं। दीर्घकालिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ कर गांवों को भी विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास जारी है। नीतीश कुमार की सरकार का व्यापक लक्ष्य वंचित-शोषित और कमजोर वर्गों को सशक्त और सबल बनाना है। कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार जनता के प्रति हमेशा से बेहद संवेदनशील रहे हैं। जनता के बीच में जाना, उनसे सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं से रूबरू होना हमारे नेता की कार्यशैली का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान नीतीश कुमार कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी कर रहे हैं जिससे आम जनता के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

उमेश कुशवाहा ने कहा कि वर्ष 2005 में बिहार की बागडोर संभालने के बाद से हमारे नेता नीतीश कुमार ने देश-दुनिया में सुशासन का सर्वोत्तम उदारहण पेश किया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमारा बिहार विकास की लंबी और ऊंची छलांग लगाने के लिए अब तैयार है। हमारे नेता की दूरदर्शिता और आसाधारण कार्यक्षमता से हर कोई प्रभावित है। आने वाला समय विकास के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा और विकसित बिहार बनाने के लक्ष्य को हम निश्चित प्राप्त करेंगे।